# कृषि वानिकी विषय पर संस्थान स्तरीय सेमीनार (दिनांक 16/3/2018)

दिनांक 16/3/2018 को संस्थान स्तरीय सेमीनार, कृषि वानिकी विषय पर आयोजित की गई, जिसमें वन विभाग राजस्थान से श्री रघुवीर सिंह शेखावत भा.व.से. अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री रमेश चौपड़ा, उप वन संरक्षक, मरु वन प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर, कृषि विभाग जोधपुर से डॉ. सरेश एन.वी., सहायक प्रोफेसर (कृषि वानिकी) ए.आर.एस. (ए.यु.जे.), केशवाना, जालोर, कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी (CAZRI) जोधपुर से डॉ. हरदयाल, विषय विशेषज्ञ (बागवानी), कृषक श्री मोहन राम सारण एवं श्री किशनाराम, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. रंजना आर्या, संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीशियन एवं शोध कर्त्ताओं ने भाग लिया।

सेमीनार के प्रारंभ में श्री उमाराम चौधरी भा.व.से., प्रभागाध्यक्ष कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने कृषि वानिकी एक पारंपरिक कृषि पद्धति पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण कर खेती के साथ-साथ पेड़ पनपाने की पारम्परिक पद्धति के बारे में बताया तथा जल जैसे घटते संसाधनों के मद्देनजर कृषि वानिकी की भूमिका की चर्चा की तथा वृक्षों के समावेश से कृषि आय वृद्धि से संबंधित विभिन्न पहलुओं का जिक्र किया। श्री चौधरी ने राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति की भी चर्चा की।

तत्पश्चात सेमीनार में उपस्थित विभिन्न क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। श्री शेखावत ने केर, सांगरी, कुमट जैसे उत्पाद के लिए इनके संग्रहण इत्यादि तथा विपणन (Marketing) इत्यादि पर चर्चा की । डॉ. रंजना आर्या ने घास तथा इसके द्वारा नमी बनाए रखे जाने से वृक्षों की वृद्धि में सहायक होने का जिक्र कर बेर, गूँदा और खेजड़ी जैसे पेड़ों का घास के साथ संयोजन (Combination) से बंजर भूमि का पुनर्वासन और चरागाह विकास की चर्चा की। डॉ. जी. सिंह ने मोरिंगा के बाजार (Market) इत्यादि की चर्चा की। डॉ. यू.के. तोमर ने विपणन माध्यमों (Market Channel), लाभ सांझेदारी (profit sharing) की चर्चा की।

इस तरह से संस्थान स्तर पर आयोजित कृषि वानिकी पर सेमिनार में विभिन्न वक्ताओ/ विषय-विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।